



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 401]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 27, 1994/आश्विन 5, 1916

No. 401] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 27, 1994/ASVINA 5, 1916

खान मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1994

मा. का. नि. 724(अ):—केन्द्रीय सरकार, खान और खनिज (विनियम और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 67) की धारा 13 द्वारा प्रवृत्त गतिवियों का प्रयोग करते हुए, खनिज रियायत नियम, 1960 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खनिज रियायत (दूसरा संशोधन) नियम, 1994 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. खनिज रियायत नियम, 1960 (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल नियम कहा गया है के नियम 14 के उपनियम (1) में,—

(i) खंड (ii) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(ii) अनुज्ञापिधारी वाणिज्यिक प्रयोजनों से भिन्न प्रयोजनों के लिए—

(क) ऐसे खनिजों की कोई भी मात्रा अनुसूची 3 के स्तंभ 3 के अधीन विनिर्दिष्ट सीमाओं के भीतर, बिना कोई संवाय किए लब्ध कर सकेगा और ले जा सकेगा ;

(ख) ऐसे खनिजों की, अनुसूची 3 के स्तंभ 4 के अधीन विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक कोई भी मात्रा उन खनिजों के बारे में अधिनियम की द्वितीय अनुसूची में तत्समय विनिर्दिष्ट स्वामित्व का संदाय करने पर, लब्ध कर सकेगा और ले जा सकेगा ;

परन्तु यदि उपखंड (ख) में विनिर्दिष्ट मात्राओं से अधिक कोई मात्रा लब्ध की जाती है और ले जाई जाती है, तो राज्य सरकार अधिक लब्ध और ले जाई खनिजों की मात्रा की लागत वसूल कर सकेगी।”

(ii) खंड (iii) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(iii) अनुज्ञापिधारी राज्य सरकार के लिखित अनुमोदन से अधिनियम की द्वितीय अनुसूची में तत्समय विनिर्दिष्ट स्वामित्व का संदाय करने पर अनुसूची 3 में विनिर्दिष्ट सीमाओं से अधिक मात्राओं में खनिज रासायनिक धातुकर्म प्रयुक्त बरेसी और अन्य परीक्षण प्रयोजनों के लिए ले जा सकेगा ;”

(iii) खंड (v) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(v) अनुज्ञापिधारी ऐसे किसी खनिज के, जो अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट नहीं है पता चलने की रिपोर्ट, ऐसे पता चलने की तारीख से साठ दिन की अवधि के भीतर राज्य सरकार को भेजेगा। ऐसी रिपोर्ट देने के परिणामस्वरूप ऐसे नए पता लगाए गए खनिज पूर्वोक्त अनुज्ञप्ति में सम्मिलित किए गए समझे जाएंगे।” ;

(iv) खंड (vi) का लोप किया जाएगा ;

(v) खंड (xii) के प्रथम परन्तुक का लोप किया जाएगा ।

3. मूल नियमों के नियम 16 के उपनियम (1) में “निम्नाहू रिपोर्ट” शब्दों के स्थान पर “छमाही रिपोर्ट” शब्द रखे जाएंगे ।

4. मूल नियमों के नियम 17 का लोप किया जाएगा ।

5. मूल नियमों के नियम 22 में,—

(i) छप नियम (3) के खंड (क) का लोप किया जाएगा ।

(ii) उपनियम (3) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम (4) और उपनियम (5) जोड़े जाएंगे, अर्थात्:—

“(4) जब राज्य सरकार एक बार खनन पट्टे के लिए आवेदन प्राप्त करती है और उसमें आवेदक को कोई क्षेत्र अनुवत्त करने का विनिश्चय कर लिया है, तब उसे आवेदक को प्रमित क्षेत्र संयोजित करना चाहिए । राज्य सरकार से अनुवत्त किए जाने वाले प्रमित क्षेत्र संबंधी संयोजना प्राप्त होने पर, आवेदक को छह मास या ऐसी अन्य अवधि के भीतर, जो राज्य सरकार अनुज्ञात करे, एक खनन योजना तैयार करना चाहिए । आवेदक को इसके बाद राज्य सरकार को खनन योजना प्रस्तुत करनी चाहिए जो इसके बाद उस क्षेत्र के लिए पट्टे के अनुदान की मंजूरी देगी । उसके पश्चात् पट्टा विलेख पर तब हस्ताक्षर किए जाएंगे जब कि अन्य सभी अपेक्षित शर्तें पूरी कर ली गई हों ।

(5) खनन योजना में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे:—

(i) खनन निकाय की प्रकृति और विस्तार दर्शाते हुए क्षेत्र की योजना, वह/वे स्थल जहाँ आवेदक या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा एकत्रित पूर्वक्षण प्रांकड़ों पर आधारित उत्खनन किया जाना है ; पट्टे के प्रथम पांच वर्ष के लिए खनन योजना की एक प्रायोगिक स्कीम ;

(ii) क्षेत्र के भू-विज्ञान और भू-विज्ञान के व्योरे जिसके अंतर्गत क्षेत्र की खनिज संपदा भी है ;

(iii) शारीरिक खनन या मशीनरी और यांत्रिक युक्तियों के उपयोग द्वारा खनन की सीमा ;

(iv) प्राकृतिक जलमार्ग, भारभित्तियों और अन्य वन क्षेत्रों की सीमाएं और बुझों की संरचना, यदि कोई हो खनन क्रियाकलाप के वन भू-तल और पर्यावरण पर, जिसके अंतर्गत बावु और जल प्रदूषण भी है, पड़ने वाले प्रभाव का निर्धारण दर्शाते हुए क्षेत्र की योजना ; वनरोपण, भूमि उद्धार, प्रदूषण नियंत्रण युक्तियों और ऐसे अन्य उपायों के, जैसा केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार समय-समय पर निवेश दे, उपयोग द्वारा क्षेत्र के प्रत्यावर्तन की स्कीम के व्योरे ;

(v) वार्षिक कार्यक्रम और पांच वर्ष के लिए वर्षानुवर्ष उत्खनन योजना ; और

(vi) अन्य कोई विषय, जिसके बारे में केन्द्रीय सरकार खनन योजना में व्यवस्था करने के लिए आवेदक से अपेक्षा करे ।

6. मूल नियमों के नियम 24क में,—

(i) उपनियम (6) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(6) यदि खनन पट्टे के नवीकरण के लिए उपनियम (1) में निर्दिष्ट समय के भीतर किए गए किसी आवेदन का राज्य सरकार द्वारा पट्टे की समाप्ति की तारीख के पूर्व निपटारा नहीं किया जाता तो उस पट्टे की अवधि राज्य सरकार द्वारा उस पर आवेश पारित करने तक की और अवधि के लिए बढ़ाई गई समझी जाएगी” ;

(ii) उपनियम (9) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(9) यदि प्रथम नवीकरण के लिए आवेदन उपनियम (8) में निर्दिष्ट समय के भीतर या उपनियम (8) के परन्तुक के अधीन राज्य सरकार द्वारा अनुज्ञात समय के भीतर किया जाता है तो उस पट्टे की अवधि, राज्य सरकार द्वारा उस पर आवेश पारित करने तक की और अवधि के लिए बढ़ाई गई समझी जाएगी” ;

(iii) उपनियम (9) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(10) राज्य सरकार, उपनियम (1) में विहित समय सीमा के पश्चात् किए गए खनन पट्टे के नवीकरण के लिए किसी आवेदन में विलम्ब को माफ कर सकती है ।”

7. मूल नियमों के नियम 27 में, खंड (ड.) का लोप किया जाएगा ।

8. मूल नियमों के नियम 35 का लोप किया जाएगा ।

9. मूल नियमों के नियम 37 में,

(i) उपनियम (1) के प्रथम परन्तुक का लोप किया जाएगा,

(ii) उपनियम (1क) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(1क) राज्य सरकार खनन पट्टे के अंतरण को अपनी सहमति तब तक नहीं देगी जब तक कि अंतरिनी ने उन सभी शर्तों और दायित्वों को स्वीकार न कर लिया हो जो ऐसे खनन पट्टे की बाबत अंतरक के थे” ।

10. मूल नियमों के नियम 38 का लोप किया जाएगा ।

11. मूल नियमों की अनुसूची 3 के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी, अर्थात्:—

अनुसूची 3

[नियम 14 (1) (ii) (क) और (ख) देखिए]

हटाए जाने योग्य अयस्कों और खनिजों की अधिकतम मात्रा

| वर्ग | खनिज/अयस्क | वह मात्रा जिसे बिना किसी संदाय के ले जाया जा सकता है। | वह अधिकतम मात्रा जो स्वामित्व का संदाय करके ले जाया जा सकता है। |
|--------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| वर्ग 1 | एस बैस्टास, ग्रेफाइट, अभ्रक प्राकृत गंधक, दृश्य यूरेनियम खनिज और यूरेनियम युक्त खनिज सहित स्वर्णमय शैल, बुरुल्ल मृदा समूहों के खनिज बैरिल, टेन्टेलाइट कोलम्बाइट ऐटिमोनी आर्सेनिक, बिस्मथ, क्रोमियम, तांबा, सीसा, निकल, टिन टाइटेनियम, टंगस्टेन, जस्ता के अयस्कों के साथ | 250 कि. ग्रा. | 10 टन |
| वर्ग 2 | स्वर्णमय शैल और बजरी जिसमें दृश्य स्वर्ण नहीं धातु-उत्पादक अयस्क जो केडमियम, कोबाल्ट, पारा, मोलिब्डियम, चांदी, टेलियम वैनेडियम बैराइटीज, बेटुमेन, बोरक्स, कैरडम, एमपी, प्रासुलाराइट, फेलस्फर, फ्लोरस्फार और कैलसाइट के निष्कर्षण के लिए अभिप्रेत हैं। | 5 टन | 200 टन |
| वर्ग 3 | दृश्य यूरेनियम खनिजों के बिना यूरेनियफेरस शैल धातु-उत्पादक अयस्क, जो ऐटिमोनी, आर्सेनिक, बिस्मथ, क्रोमियम, तांबा, सीसा, निकल, टिन टाइटेनियम, टंगस्टेन, जस्ता और ऐसे यौगिक अयस्क जिसमें केडमियम, कोबाल्ट, पारा, मोलिब्डियम, चांदी, हैलियम और वैनेडियम, जिप्सम, चुनाश्म लौह पाइराइट, शैल, लाल और पीत गैरिक ब्रक्साइट धातु-उत्पादक अयस्क जो एलुमिनियम लौह और मैंगनीज के निष्कर्षण के लिए अभिप्रेत हैं। | 10 टन | 200 टन |
| वर्ग 4 | चुनाश्म, सिलीमैनाइट, कायनाइट मैग्नेसाइट, सपेंटीन स्टेपेटाइट, बरमीकुलाइट, अग्निसह मृत्तिका, कैओलिन और अन्य उच्चतापसह सामग्री, कोयला और लिग्नाइट। | 50 टन | 200 टन |
| वर्ग 5 | सभी अन्य खनिज जो ऊपर विनिर्दिष्ट नहीं किए गए हैं। | 10 टन | 200 टन |

12. मूल नियमों की अनुसूची 1 के प्ररूप "ण" में, —

(i) मद 1 और उससे संबंधित प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा,

(ii) मद 3 के खण्ड (iv) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(iv) अन्तर्गति यह घोषणा करता/करती है कि उसने उन सभी शर्तों और दायित्वों को स्वीकार कर लिया है जो ऐसे खनन पट्टे की बाबत अंतरक के थे" ।

[फा. सं. 1/7/93-एम. VI]

दिवाकर देव, संयुक्त सचिव

फुट नोट :

मुख्य नियम दिनांक 11-11-1960 के जो एस आर सं. 1398 द्वारा प्रकाशित किए गए थे । इनमें निम्न अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किया गया है :—

1. अधिसूचना सं. एम. II/169(44)/61, दिनांक 7-9-1961
2. अधिसूचना सं. एम. II-152(58)/61, दिनांक 30-4-1963
3. अधिसूचना सं. एम. II-12(II)/62, दिनांक 6-5-1963
4. अधिसूचना सं. 1(22)/62एन. II, दिनांक 17-7-1963
5. अधिसूचना सं. एम. II-152(37)/62, दिनांक 22-7-1963
6. अधिसूचना सं. एम. II-169(44)/61, दिनांक 6-9-1963
7. अधिसूचना सं. एम. II-152(33)/60, दिनांक 24-9-1963
8. अधिसूचना सं. 1(26)/66-एम. 6, दिनांक 4-3-1967
9. अधिसूचना सं. 1(2)/68-एम. 2 दिनांक 23-2-1968
10. अधिसूचना सं. 1(3)/68-एम. 2 दिनांक 30-3-1968
11. अधिसूचना सं. 1(3)/68-एम. 6 दिनांक 17-1-1969
12. अधिसूचना सं. 1(52)/65-एन. 2 दिनांक 26-2-1969
13. अधिसूचना सं. 1(34)/68-एम. 2 दिनांक 23-5-1970
14. अधिसूचना सं. 1(33)/67-एम. 6 (खंड 2) दिनांक 22-7-1971
15. अधिसूचना सं. 1(3)/71/एम. 6 दिनांक 6-9-1971
16. अधिसूचना सं. 1(26)/71/एम. 6 दिनांक 14-2-1972
17. अधिसूचना सं. 1(34)/71-एम. 6 दिनांक 21-5-1973
18. अधिसूचना सं. 1(74)/75-खान. 6 दिनांक 2-5-1979
19. अधिसूचना सं. 3(51)/74-खान. दिनांक 16-1-1980
20. अधिसूचना सं. 7(4)/85-खान. दिनांक 22-9-1986
21. अधिसूचना सं. 7(1)/86-खान. 6 दिनांक 10-2-1987
22. अधिसूचना सं. 19(9)/87-खान. 8 दिनांक 14-10-1987
23. अधिसूचना सं. 6(3)/87-खान. 6 दिनांक 21-12-1987
24. अधिसूचना सं. 7(2)/87-खान. 6 दिनांक 13-4-1988
25. अधिसूचना सं. 7(1)/89-खान. 6 दिनांक 19-10-1989
26. अधिसूचना सं. 7(1)/90-खान. 6 दिनांक 1-4-1991
27. अधिसूचना सं. 7(3)/92-खान. 6 दिनांक 7-1-1993
28. अधिसूचना सं. 7(1)/93-खान. 6 दिनांक 30-3-1994

MINISTRY OF MINES

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th September, 1994

G.S.R. 724(E).—In exercise of the powers conferred by Section 13 of the Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957 (67 of 1957), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Mineral Concession Rules, 1960, namely :—

1. (1) These rules may be called the Mineral Concession (Second Amendment) Rules, 1994.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 14 of the Mineral Concession Rules, 1960 (hereinafter referred to as the principal rules), in sub-rule (1),—

(i) For clause (ii), the following clause shall be substituted, namely :—

“(ii) The licensee may win and carry for purposes other than commercial purposes—

- (a) any quantity of such minerals within the limits specified under column 3 of Schedule III without any payment;
- (b) any quantity of such minerals not exceeding the limit specified under column 4 of Schedule III, on payment of royalty for the time being specified in the Second Schedule to the Act in respect of those minerals :

Provided that if any quantity in excess of the quantities specified in sub-clause (b) is won and carried away, the State Government may recover the cost of the excess quantity of minerals won and carried away”,

(ii) For clause (iii), the following clause shall be substituted, namely :—

“(iii) With the written approval of the State Government, the licensee may carry away quantities of minerals in excess of the limits specified in Schedule III, on payment of royalty for the time being specified in the Second Schedule to the Act, for chemical, metallurgical, ore-dressing and other test purposes”;

(iii) For clause (v), the following clause shall be substituted, namely :—

“(v) The licensee shall report to the State Government the discovery of any mineral not specified in the licence within a period of sixty days from the date of such discovery. Consequent upon such reporting, such newly discovered mineral shall be deemed to have been included in the Prospecting licence” ;

(iv) Clause (vi) shall be omitted;

(v) The first proviso to clause (xii) shall be omitted.

3. In rule 16 of the principal rules, in sub-rule (1), for the words “quarterly report”, the words “six monthly report” shall be substituted.

4. Rule 17 of the principal rules shall be omitted.

5. In rule 22 of the principal rules,

(i) in sub-rule (3) clause (e) shall be omitted;

(ii) after sub-rule (3), the following sub-rules (4) and (5) shall be added, namely :—

“(4) once the State Government receives the application for a mining lease and has decided to grant an area to applicant, it must communicate the precise area to the applicant. On receipt of communication from the State Government of the precise area to be granted, the applicant should prepare a mining plan within six months or such other period as may be allowed by the State Government. The applicant should then submit the mining plan to the State Government who would then sanction grant of lease over that area. The lease deed would be signed thereafter when all other required conditions have been fulfilled.

(5) The mining plan shall incorporate :—

(i) the plan of the area showing the nature and extent of the mineral body, spot or spots where the excavation based on the prospecting data gathered by the applicant or any other person; a tentative scheme of mining plan for the first five year of the lease;

(ii) details of the geology and lithology of the area including mineral reserves of the area;

(iii) the extent of manual mining or mining by use of machinery and mechanical devices;

(iv) the plan of the area showing natural water courses, limits of reserves and other forest areas and density of trees, if any, assessment of impact of mining activity on forest, land surface and environment including air and water pollution; details of the scheme of restoration of the area by afforestation, land reclamation, use of pollution control devices and such other measures as may be directed by the Central Government or the State Government from time to time;

(v) annual programme and plan for excavation from year to year for five years; and

- (vi) any other matter which the Central Government may require the applicant to provide in the mining plan.

6. In rule 24A of the principal rules,—

- (i) for sub-rule (6), the following shall be substituted, namely :—

“(6) If an application for renewal of a mining lease made within the time referred to in sub-rule (1) is not disposed of by the State Government before the date of expiry of the lease, the period of that lease shall be deemed to have been extended by a further period till the State Government passes order thereon”;

- (ii) for sub-rule (9), the following shall be substituted, namely:

“(9) If an application for first renewal made within the time referred to in sub-rule (8) or within the time allowed by the State Government under the proviso to sub-rule (8), the period of that lease shall be deemed to have been extended by a further period till the State Government passes orders thereon”;

- (iii) after sub-rule (9), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(10) The State Government may condone delay in an application for renewal of mining lease made after the time limit prescribed in sub-rule (1).”

7. In rule 27 of the principal rules, clause (c) shall be omitted.

8. Rule 35 of the principal shall be omitted.

9. In rule 37 of the principal rules,

- (i) in sub-rule (1), the first proviso shall be omitted ;
- (ii) for sub-rule (1A), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1A) The State Government shall not give its consent to transfer of mining lease unless the transferee has accepted all the conditions and liabilities which the transferor was having in respect of such mining lease”.

10. Rule 38 of the principal rules shall be omitted.

11. For Schedule III of the principal rules, the following Schedule shall be substituted, namely :—

“SCHEDULE III

[See rule 14(1) (ii)(a) & (b)]

Maximum quantities of ores and minerals removable.

| Class | Mineral/ore | Quantities that can be carried away without any payment | Maximum quantity that can be carried away by payment or royalty |
|-----------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| Class-I | Asbestos, graphite, mica, native sulphur, auriferous rock with visible uranium mineral and uranium bearing minerals, minerals of rare earths group, beryl, tantalite, columbite—concentrates of ores of antimony, arsenic, bismuth, chromium, copper, lead, nickel, tin, titanium, tungsten, zinc. | 250 kg | 10 tonnes. |
| Class-II | Auriferous rock and gravel containing no visible gold, metalliferous ores meant for extracting cadmium, cobalt, mercury, molybdenum, silver, tellurium, vanadium barytes, bitumen, borax, corundum, emery grossularite, feldspar, fluor spar and calcite. | 5 tonnes | 200 tonnes. |
| Class-III | Uraniferous rock without visible uranium minerals, metalliferous ores meant for extracting antimony, arsenic, bismuth, chromium, copper, lead, nickel, tin, titanium, tungsten, zinc and compound ores containing metals of cadmium, cobalt, mercury, molybdenum, silver, tellurium and vanadium gypsum, limestone, iron pyrites, shales, red and yellow ochre, bauxite metalliferous ores meant for extracting aluminium, iron and manganese. | 10 tonnes | 200 tonnes |
| Class-IV | Limestone, sillimanite, kyanite, magnesite, serpentinite, steatite, vermiculite, fireclay, kaolin and other refractory materials, coal and lignite. | 50 tonnes | 200 tonnes. |
| Class-V | All other minerals not specified above.” | 10 tonnes | 200 tonnes. |

12. In form "O" of Schedule I to the principal rules,—

- (i) item 1 and entries relating thereto shall be omitted;
- (ii) In item 3, for clause (iv), the following clause shall be substituted, namely :—
“(iv) The transferee hereby declares that he/she has accepted all the conditions and liabilities which the transferor was having in respect of such mining lease.”

[F. No. 1/7/93. M. VI]
DIVAKAR DEV, Joint Secy.

Foot Note :

The Principal rules were published vide G.S.R. No. 1398 dated 11-11-1960. These rules were amended vide following notifications :—

1. Notification No. M.11/169(44)/61, dated 7-9-1961.
2. Notification No. M.II/152(58)/61, dated 30-4-1963.
3. Notification No. M.II/152(11)/62, dated 6-5-1963.
4. Notification No. 1(22)/62-M.II, dated 18-7-1963.
5. Notification No. M.II/152(37)/62, dated 22-7-1963.
6. Notification No. M.II/169(44)/61, dated 6-9-1963.
7. Notification No. M.II/152(33)/60, dated 24-9-1963.
8. Notification No. 1(26)/66-M.VI, dated 4-3-1967.
9. Notification No. 1(2)/68-M.II, dated 23-2-1968.
10. Notification No. 1(3)/68-M.II, dated 30-3-1968.
11. Notification No. 1(3)/68-M.VI, dated 17-1-1969.
12. Notification No. 1(51)/65-M.II, dated 26-2-1969.
13. Notification No. 1(34)/68-M.II, dated 23-5-70.
14. Notification No. 1(33)/67-M.VI, (Vol. II), dated 22-7-1971.
15. Notification No. 1(3)/71-M.VI dated 6-9-1971.
16. Notification No. 1(26)/71-M.VI, dated 14-2-1972.
17. Notification No. 1(34)/71-M.VI, dated 21-5-1973.
18. Notification No. 1(74)/75-M.VI, dated 2-5-1979.
19. Notification No. 3(51)/74-M.VI, dated 16-1-1980.
20. Notification No. 7(4)/85-M.VI, dated 22-9-1986.
21. Notification No. 7(1)/86-M.VI, dated 10-2-1987.
22. Notification No. 19(9)/87-M.VI, dated 14-10-1987.
23. Notification No. 6(3)/87-M.VI, dated 21-12-1987.
24. Notification No. 7(2)/87-M.VI, dated 13-4-1988.
25. Notification No. 7(1)/89-M.VI, dated 19-10-1989.
26. Notification No. 7(1)/90-M.VI, dated 1-4-1991.
27. Notification No. 7(3)/92-M.VI, dated 7-1-1993.
28. Notification No. 7(1)/93-M.VI, dated 30-3-1994.

